शरण में आ गुरुजन की गुरुदेव भजन लिरिक्स

खबर नहीं है पल की,
बात करे तू कल की,
गफलत में सोया है,
शरण में आ गुरुजन की,
खबर नहीं है पल की,
बात करे तू कल की।bd।

तर्ज – तुम दिल की धड़कन।

सबकी यही कहानी है,
आया है सो जाएगा,
यतन भले कितना करले,
खाली हाथ ही जायेगा,
संग चलेगी तेरे,
गठरी तेरे कर्मन की,
गफलत में सोया है,
शरण मे आ गुरुजन की,
खबर नहीं है पल की,
बात करे तू कल की।bd।

कपट क्रूर इस दुनिया ने,
तुझको बहुत लुभाया है,
होश में आजा रे मनवा,
ये तो सिर्फ छलावा है,
सुख मिलता इक क्षण का,
बेचैनी हर पल की,
गफलत में सोया है,
शरण मे आ गुरुजन की,
खबर नहीं है पल की,
बात करे तू कल की।bd।

बहुत गंवाए दिन तूने,
गल गल के इस गफलत में,
सारा वक्त गुजार दिया,
तूने तो इस नफरत में,
सच्ची डगर दिख जाएगी,
शरण मे आ गुरुजन की,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गफलत में सोया है,
शरण मे आ गुरुजन की,
खबर नहीं है पल की,
बात करे तू कल की।bd।

खबर नहीं है पल की,
बात करे तू कल की,
गफलत में सोया है,
शरण में आ गुरुजन की,
खबर नहीं है पल की,
बात करे तू कल की।bd।

स्वर / रचना / प्रेषक – मुकेश कुमार जी।
9660159589

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com